Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

संचार सेवा शुरू होने के इंतजार में ग्रामीणों के मोबाइल बने शो पीस

जिम्मेदार कौन

सीमांत के पांगला और जयकोट ग्रम पंचायत में संचार सेवा बनी मजाक

निर्मल भट्ट। विशेष रिपोर्ट।

पिथौरागढ़। चीन और नेपाल सीमा के बीच बसे धारचूला के ग्रम पंचायत पांगला और जयकोट गांवों में आज तलक संचार सुविधा के नाम पर एक भी मोबाइल टावर नही लग पाया है। वही सीमांत क्षेत्र में जहां एक ओर इलाके के लोगों से संचार सुविधा दिलाये जाने के नाम पर कई घोषणायें व कई लुभायने वायदे किये गये मगर आलम यह है कि जिले के सीमा पर बसे गांवों में संचार सेवा धरातल पर अब तक उतरती हुई नही दिख पाई है।

बता दें कि सीमांत में संचार सेवा का सपना देख रहे ग्रमीणों ने सीमांत में लंबे समय से मोबाइल टावर की लगवाने की मांग कर रहे है। आलम यह है कि संचार सुविधा का सपना देख रहे सीमा पर बसे गांवों के ग्रमीण आज भी गैस बुकिंग कराने व जरूरत के

आठ लाख का राजस्व प्रति महीने नेपाल को मिल रहा

गांव के ग्रमीणों को नेपाली संचार सेवा के सीम के रिचार्ज कूपनों को खरीदने को मजबूर होना पड़ रहा है। दूसरी ओर प्रति माह सात से आठ लाख रूपये का राजस्व प्रति महीने नेपाल को मिल रहा है।

कामकाज कराने के लिए व आनलाइन काम कराने को लेकर लगभग 20 से 30 किमी की लंबी दूरी तय कर अपने काम निपटाने को मजबूर हो रहे है। सीमांत के गांवों में संचार सुविधा के नाम पर आजतक बड़े बड़े दावे कर ग्रामीणों को छलने के सिवाय कुछ भी नेक काम नही हो पाया है। ऐसे में गांव के ग्रमीण नेपाली सिम का प्रयोग करने को मजबूर हो रहे है।

सीमांत में संचार क्रांति के चलते दौर का फायदा इन गांवों को आज तक नही मिल पाया है। वही ऐसे में हर बार संचार सेवा से महरूम हो चुके सीमांत के गावों को लंबी दूरी तय कर आन लाइन काम के लिए चक्कर काटने को मजबूर हो गया है। वही ऐसी परिस्थति में सीमांत के ग्रमीणों को न जाने कब तक संचार सेवा के लिए तरसना पड़ता है यह सबसे बड़ा सवाल है। सत्रह सौ की आबादी संचार सेवा के लिए हो रही है मायूस।

कैलाश मानसरोवर यात्रा मार्ग से जुडे गांव पांगला व जयकोट में नेपाली संचार सेवाओं के सिम के प्रयोग करने से भारत सरकार की संचार सेवा को करोडों के राजस्व का नुकसान होने की ऐसे में जानकारी हाथ लगी है। पांगला और जयकोट सीमांत के आपदा प्रभावित गांवों में संवेदनशील श्रेणी में आते है। वही इसी मार्ग से सुरक्षा कर्मी व कैलाश मानसरोवर यात्रियों की आवाजाही होती है। दूसरी ओर संचार सेवा का लाभइन दोनों ग्रम सभाओं को अब तक नही मिल पाया है।

यहां पर तीन जीआईसी, चार प्राथमिक विधालय ,पुलिस चौकी व सुरक्षा कर्मियों की चौकी है मगर संचार सेवा के लिए गांव के ग्रमीणों को नेपाली संचार सेवा के सहारे मजबूर होना पड रहा है। लागों की समस्या कम होने का ऐसे में नाम ले रही है। लंबे समय से मोबाइल टावर व संचार सेवा को शुरू कराने मांग कर रहे मगर आज तक इलाके के ग्रमीणो की दिक्कतें कम होते नही दिख रही है।

न्यूज डायरी

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ आदिबदरी का नौठा मेला संपन्न

संवाददाता कर्णप्रयाग। आदिबदरी भगवान को नए अनाज का भोग लगाने के लिए लाठी डंडों के प्रतीकात्मक युद्ध व नौठा नृत्य के ग्रामीण और तीर्थयात्री साक्षी बने। इसी के साथ तीन दिवसीय नौठा कौथिग पर्यटन एवं सांस्कृतिक विकास मेला संपन्न हो गया। रूप कुंड लोक कला मंच देवाल ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी। पंकज सती, भूपेंद्र कुंवर, अरुण खंडूड़ी ने भी गायन से लोगों का मनोरंजन किया। दोपहर एक बजे लाठी डंडों व गाजे–बाजे के साथ नौठा नृत्य दल आदिबदरी पहुंचा। मेला व मंदिर समिति के अध्यक्ष विजयेश नवानी ने नृत्य दल का स्वागत किया। बाद में रंडोली खेती के ग्रामीणों ने लाठी डंडों से ढोल दमाऊं की थाप पर प्रतीकात्मक युद्ध किया।

कौसानी के मुझारचौरा गांव को सड़क की दरकार

संवाददाता गरुड़। कत्यूर घाटी के कई गांव आज भी सड़क की सुविधा से वंचित हैं। इन्हीं गांवों में से एक गांव है मुझारचौरा। इस गांव के ग्रामीण वर्षों से सड़क की मांग कर रहे हैं। लेकिन किसी ने इस गांव की सुध नहीं ली है। कौसानी की तलहटी पर बसे मुझारचौरा में फल व सब्जी उत्पादन होता है। काश्तकार प्रचुर मात्रा में फल व सब्जी बेचकर आजीविका चलाते हैं। सड़क नहीं होने से काश्तकारों का आधा उत्पादन गांव में ही सड़–गल जाता है। बची–खुची सब्जी व फल सात किमी पैदल चलकर गरुड़ बाजार लाते हैं। काश्तकार बलवंत सिंह कठायत, भूपाल सिंह, लाल सिंह आदि का कहना है कि यदि उनके गांव को सड़क बन जाती तो उनका उत्पादन सीधे बाजार तक पहुंचता और बर्बाद भी नहीं होता।

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान ने किया सत्संग प्रवचन व भण्डारे का आयोजन

संवाददाता देहरादून। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान की ओर से समय–समय पर देश के कौने–कौने में अनेकों भक्त श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक प्रवचनों के माध्यम से भक्तिमय रस का पान कराता है। इनके जरिए जहां एक और ग्रन्थों में निहित गुण आध्यात्मिक संदेश का प्रतिपादन हो रहा है वहीं दूसरी ओर श्रद्धालुओं व दिशा भ्रमित लोगों को ज्ञान दीक्षा की ओर से भक्ति की शाश्वत् विधि भी प्रदान की जा रही है। इसी श्रंखला के तहत देहरादून शाखा की ओर से सत्संग प्रवचन एवं भण्डारे का आयोजन किया गया। प्रस्तुतिकरण में साध्वी शिवा भारती ने गुरू की महिमा का गान करते हुए बताया कि संसार में सबसे सौभाग्यशाली वह शिष्य है जिसे पूर्ण गुरु का सानिध्य मिल जाता है। यूं तो परमात्मा को प्रत्येक जीव प्रिय होता है।

सरकारी सस्ता गल्ला विक्रेताओं को मिलेगी पीओएस मशीन

संवाददाता अल्मोड़ा। सरकारी सस्ता गल्ला दुकानों में बायोमेट्रिक के माध्यम से राशन वितरण कराने को सरकार ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं। बायोमेट्रिक के माध्यम से राशन वितरण करने के लिए पूर्व में सस्ता गल्ला विक्रेताओं को लैपटाप उपलब्ध कराए गए। लेकिन अनेक स्थानों में नेटवर्क की समस्या के कारण यह योजना सफल नहीं हो पाई। अब सरकार ने सस्ता गल्ला विक्रताओं को पीओएस मशीन उपलब्ध कराकर बायोमेट्रिक माध्यम से राशन वितरण करने की योजना बनाई है।

शासन की ओर से विभाग को इसकी सूचना देकर हर हाल में बायोमेट्रिक के माध्यम से राशन वितरण करवाने को कहा गया है। विभाग के माध्यम से सभी सस्ता–गल्ला विक्रेताओं को यह मशीन उपलब्ध कराई जाएगी। इस पीओपी यानी प्वाइंट आफ सेल मशीन के माध्यम से राशन की दुकानों में राशन लेने को पहुंचने वाले उपभोक्ता के फिगर प्रिंट लेकर ही उनके राशन कार्ड में निर्धारित यूनिट के आधार पर राशन उपलब्ध कराया जाएगा। सस्ता गल्ला विक्रेता नेटवर्क नहीं होने पर भी मशीन में उपभोक्ता का डाटा स्टोर कर सकेंगे। वहीं बाद में नेटवर्क क्षेत्र में इस मशीन को ले जाकर उसमें स्टोर डेटा को अपलोड करेंगे। इससे नेटवर्क की समस्या का समाधान हो जाएगा। वहीं इसमें लगा सिम भी आजीवन सस्ता गल्ला विक्रेता को उपलब्ध कराया जाएगा। शासन से बायोमेट्रिक माध्यम से राशन वितरण कराने के निर्देश मिले हैं।

गर्मी में वर्क के कार्यकर्ताओं ने शरबत का किया वितरण

संवाददाता देहरादून। वर्ल्ड ऑर्गेनाइजेशन रिलिजन एंड नॉलेज (वर्क) के कार्यकर्ताओं ने पलटन बाजार जामा मस्जिद के सामने मई के महीने की चिलचिलतीं गर्मी में लोगों के लिएं ठंडे पानी और रूह अफजा शर्बत का वितरण किया जिससे लोगों को बड़ी राहत मिली। ट्रस्ट इससे पहले इसी जगह पर भोजन,पानी,शर्बत व कोरोना दौर में कोरोना से बचाव की सामग्री बांटने का कार्य कई बार कर चुका है। कार्यक्रम काफी लंबा चला और लोगों ने इस को सराहा कार्यक्रम में वर्क की महिला टीम ने भी हिस्सा लिया और खुद का रोजा होते हुए धूप में लोगों को शर्बत पिलाने का काम किया और कार्यक्रम को पूर्ण किया कार्यकर्ता हाथों में बड़े बड़े बैनर लिए हुए थे जिसपर कुरान और वेदों में दी गई शिक्षायें लिखी थी। आरिफ वारसी ने कहा कि अपने लिये संसार मे सभी जीते हैं औरों के लिए वक्त लगाना उनकी जरूरत पूरी कर पाना यही इंसानियत, मानवता,सच्चा धर्म है।

एक माह बाद मानसून, अब तक आशियाने के लिए तड़प रहे 102 परिवार

संवाददाता पिथौरागढ। आपदा प्रभावित धापा गांव के एक सौ दो परिवारों को आज तक शासन से आपदा राहत राशि नही मिल पाई है। वही जहां अभी मानसून को आने में एक माह का पूरा समय बचा हुआ है वही ये ग्रमीण टेट में रात बिताने को मजबूर हो रहे है।

जानकारी के मुताबिक धापा गांव के एक सौ छप्पन परिवारों में से एक सौ दो परिवारों को साल 2011 की जनगाणना मानक के अनुसार अब तक मुआवजे की एक भी किश्त नही मिल पाई है। वही ऐसे में इन परिवारों की मुसीबत थमनें का नाम नही ले रही है। बता दें कि जिस जगह पर प्रशासन द्वारा इन ग्रमीणों के

लिए आशियाने बनाने की जगह चयनित की है उस जगह पर सबसे ज्यादा आपदा की मार संबधित ग्रमीणों को सबसे ज्यादा खतरे में डालने जैसी लग रही है।

दूसरी ओर अब तक उपरोक्तगांव के ये बचे परिवार टेट में रात बिताने को खासे मजबूर हो रहे है। वही हालात अतने बद्दतर हो रहे है कि ये ग्रमीण पिछले एक सप्ताह से हो रही लगातार बारिश को देखकर अभी से डरे व सहमें हुए जैसे लगने लगे है। धापा गांव में 47 परिवार भूस्खलन के कारण खतरे में हैं। आपदा के भय से 41 परिवार तीन दिन पूर्व ही शिफ्ट हो गए थे। इनमें से कुछ परिवारों ने प्राथमिक स्कूल में, कुछ ने आंगनबाड़ी केंद्र में तो अधिकांश लोगों ने रिश्तेदारों के घरों में शरण ली है। मंगलवार को बारिश से खतरा पैदा हो गया।

वही इस बारे में मुसयारी के उपजिलाधिकारी एच सी फोनिया ने बताया कि धापा गांव के आपदा प्रभावित गांवों को अब तक शासन को भेजी गई लिस्ट की सूचना प्रेषित करने के बाद भी प्रशासन को राहत राशि के बारे में कोई खास जानकारी नही मिल पाई है। वही खतरे वाले स्थानों पर रहने वाले प्रभावितों को सर्तक रहने के आदेश दे दिये गये है।

लक्ष्य के घर में बंटी मिठाई, मनाई खुशी

संवाददाता अल्मोड़ा। युवा शटलर लक्ष्य सेन की अगुवाई में भारतीय टीम के 73 वर्षों बाद थामस कम में ऐतिहासिक जीत से अल्मोड़ा में खुशी की लहर है। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लक्ष्य से अल्मोड़ा की बाल मिठाई खिलाने की बात कही है। सोमवार को लक्ष्य के घर में मिष्ठान वितरण किया गया। स्वजनों और संबंधियों समेत पड़ोसियों ने एक–दूसरे का मुंह मीठा किया। इस दौरान खेल प्रेमियों और स्थानीय लोगों ने जमकर खुशी मनाई। वहीं भविष्य में भी लक्ष्य के बेहतर प्रदर्शन की कामना की। लक्ष्य सेन ने थामस कप में भारतीय टीम की जीत की नींव रखी। उन्होंने पहले ही मैच में इंडोनेशिया के ओलंपिक मेडलिस्ट गिटिग को 9–21, 21–17 व 21–16 से हराया। इधर सोमवार को लक्ष्य के घर अल्मोड़ा स्थित तिलकपुर में खुशी की लहर रही। घर में उनकी बुआ गीता पंत और फूफा भारतेंदु पंत के पास लोगों की शुभकानाएं पहुंचने का सिलसिला जारी रहा। दोपहर में लोग उनके घर पहुंचे।